हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार 24 फरवरी 2026

11 आज हम जल बचाएंगे तो कल जल हमें बचाएगा

12 नपा हाउस की बैठक में पार्षदों ने विकास कार्यों की धीमी रफ्तार पर...

खबर संक्षेप

सीहोर में आपसी विवाद में एक व्यक्ति घायल

कनीना। खंड के गांव सीहोर में आपसी विवाद में एक व्यक्ति घायल हो गया। इस बारे में नरेंद्र कुमार ने पुलिस थाना में दी शिकायत में बताया कि उसके भाई मनोज ने घर में घुसकर उससे मारपीट की। जिससे वह घायल हो गया। परिजनों ने उसे उप नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया। जहां चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार कर हायर सेंटर रेफर कर दिया। सिटी थाना पुलिस ने नरेंद्र की शिकायत पर आरोपित मनोज के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

पत्रकार होली मिलन महोत्सव 28 को

महेंद्रगढ़। हरियाणा पत्रकार संघ द्वारा 28 फरवरी को होली मिलन महोत्सव का भव्य आयोजन बीपीएम गार्डन में किया जाएगा। कार्यक्रम प्रातः 10:30 बजे से शुरू होगा। समारोह में मुख्यातिथि हरियाणा पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष केबी पंडित शिरकत करेंगे। उनके साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं जिले के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे।

आर्य समाज का 2 दिवसीय वार्षिकोत्सव 7 से

कनीना। खंड के गांव रसूलपुर में आर्य समाज का 36वां दो दिवसीय वार्षिक उत्सव सात व आठ मार्च को आयोजित किया जाएगा। इस बारे में समाज के मंडलपत्ति सतीश आर्य ने बताया कि समारोह में संगीता आर्या सहारनपुर, अनुज शास्त्री देहरादून मुख्य रूप से उपस्थित होंगे। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय समारोह के मुख्य अतिथि महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव होंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि यशदेव शास्त्री, भगत सिंह, एसडी ग्रुप के चेयरमैन जगदेव यादव होंगे। समारोह में नीरज मल्यार्थी, विजय पाल, महाशय बंसीराम, सतवीर सिंह भजन उपदेश प्रस्तुत करेंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष कल लेंगे संगठनात्मक बैठक

नारनौल। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली आगामी 25 फरवरी को सीएल फार्म में जिला कार्य योजना बैठक व प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने पहुंच रहे हैं। इस महत्वपूर्ण बैठक में जिले के सभी सूचीबद्ध कार्यकर्ताओं, जिला पदाधिकारियों व मंडल अध्यक्षों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। भाजपा जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव ने जानकारी देते हुए बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं का कौशल विकास करना है, ताकि वे पार्टी की नीतियों को जन जन तक प्रभावी ढंग से पहुंचा सकें। जिले के इस प्रशिक्षण के पश्चात सात मार्च से 14 अप्रैल तक विभिन्न मंडलों में भी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

खंड शिक्षा अधिकारी पवन भारद्वाज मौके पर पहुंचे ग्रामीणों को दिया आश्वासन

प्रवक्ता पर ग्रामीणों ने माहौल खराब करने का लगाया आरोप, स्कूल को जड़ा ताला

ग्रामीणों ने स्कूल के प्रवक्ता के ट्रांसफर की मांग को लेकर रोष व्यक्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

गांव जैलाफ के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को ग्रामीणों ने स्कूल के एक प्रवक्ता के ट्रांसफर की मांग को लेकर काफी रोष व्यक्त किया और स्कूल के गेट पर ताला जड़कर वहीं धरने पर बैठ गए। बाद में सूचना पाकर मौके पर पहुंचे बीईओ ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर स्कूल का ताला खोला।

इस मौके पर ग्रामीणों ने एक प्रवक्ता पर आरोप लगाते हुए बताया कि विद्यालय में कार्यरत प्रवक्ता राजनीति करता है और टीचरों के बीच गुटबाजी करवा दी है। उसका व्यवहार भी सही नहीं है और वह पढ़ाई की बजाए दूसरे कार्यों में ही बिजी रहता है। उस एक टीचर ने स्कूल का माहौल खराब कर रखा है और उसकी वजह से पूरे स्कूल की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल में चिंडालिया, जैलाफ, खोड़मा, जाखनी और हमीदपुर सहित आसपास के कई गांवों के बच्चे इस स्कूल में पढ़ने आते हैं, लेकिन यहां का माहौल खराब होने से अभिभावक अक्सर चिंतित एवं परेशान रहत हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने पहले भी इस मामले में विधायक, उपायुक्त और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर शिकायत की है, लेकिन अब तक कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई।

नारनौल। स्कूल के गेट को ताला जड़ने उपरांत बीईओ पवन भारद्वाज को ज्ञापन सौंपते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

विधायक को दे चुके ज्ञापन

सरपंच अमरसिंह द्वारा विधायक ओमप्रकाश यादव को भेजे गए पत्र में भी प्रवक्ता के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए हैं तथा उन्होंने उक्त टीचर का तत्काल प्रभाव से डेपुटेशन या ट्रांसफर करने की मांग की है।

यह कहते हैं बीईओ

नारनौल बीईओ पवन भारद्वाज ने बताया कि ग्रामीणों को आश्वासन दिया। मामले की जांच रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा अधिकारियों को पंचायत ने भेजी थी शिकायत

पंचायत प्रतिनिधियों के अनुसार गत चार फरवरी को जिला शिक्षा अधिकारी और ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को भी शिकायत भेजी थी, जिसके तीन दिन बाद सात फरवरी को दो प्रिंसिपल जांच करने स्कूल पहुंचे, जहां एक महिला टीचर ने भी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर संबंधित प्रवक्ता के व्यवहार को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि इस तरह की घटनाओं से स्कूल की गरिमा को ठेस पहुंच रही है और बच्चों पर गलत प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए इस टीचर को तो टर्मिनेट किया जाए या फिर उसका दूर कहीं तबादला किया जाए।

बीईओ ने की ग्रामीणों की सुनवाई

जब स्कूल गेट पर ग्रामीण ताला जड़ने उपरांत धरना देकर बैठ गए तथा वहीं पर सभा करने लगे, तब इसकी सूचना पाकर नारनौल के खंड शिक्षा अधिकारी पवन भारद्वाज गांव में मौके पर पहुंचे तथा एक-एक करके ग्रामीणों की बात सुनी। मामला जानने उपरांत उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि इसकी जांच रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उनके आश्वासन पर मान गए, लेकिन चेतावनी भी दी कि यदि जल्दी ही उचित कार्रवाई नहीं हुई तो वे दोबारा आंदोलन करेंगे। ग्रामीणों ने उन्हें एक लिखित ज्ञापन भी सौंपा और आरोपित टीचर के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

खाटूश्याम मेले के लिए आज से चलेंगी स्पेशल बसें

खाटूधाम में भक्तों का जमावड़ा ट्रेन और बस की सुविधाएं बढ़ीं

खाटूश्यामजी के फाल्गुन मेले में इस बार 30 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

धार्मिक स्थल विश्व प्रसिद्ध खाटूश्यामजी का वार्षिक फाल्गुन लक्खी मेला राजस्थान के खाटूधाम में शुरू हो गया। वहां श्रद्धालुओं के जत्थे पहुंचना शुरू हो गए हैं। खाटूश्यामजी के फाल्गुन मेले में इस बार 30 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। मेला व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए रींगस से खाटू तक नो व्हीकल जोन बनाया गया है। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा की अगुवाई में मेले के लिए 28 फरवरी तक नौ सेक्टर मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई है।

यह सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट दो पारियों में सुबह 10 से रात 10 बजे और रात 10 बजे से सुबह 10 बजे तक ड्यूटी करेंगे। जयपुर रेंज आईजी एच. राघवेंद्र सुहास ने एक दिन पहले शुक्रवार को बताया था कि खाटूश्यामजी मेले के लिए करीब 4500 पुलिस कर्मियों को लगाया गया है। खाटूधाम के स्थानीय लोग और 12वीं बोर्ड परीक्षा के स्टूडेंट्स आधार कार्ड, राशन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस दिखाकर आवागमन कर सकेंगे।

खाटूश्यामजी में सात जगह व्हीकल पार्किंग का इंतजाम किया गया है। इनमें से पांच बड़े पार्किंग एरिया हैं और दो छोटे पार्किंग एरिया हैं। बाहर से आने वाले श्रद्धालु पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने ई-रिक्शा के जरिए और पैदल चलकर बाबा श्याम के दर्शन कर सकेंगे।

मदार-रेवाड़ी-फुलेरा एक्सप्रेस का दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशन तक विस्तार

नारनौल। रेलवे की ओर से खाटूश्याम जी मेले के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु मदार-रेवाड़ी-फुलेरा प्रतिदिन एक्सप्रेस रेलसेवा का दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशन तक विस्तार किया जाएगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार गाड़ी संख्या 19617 मदार (अजमेर)-दिल्ली सराय रोहिल्ला प्रतिदिन एक्सप्रेस रेलसेवा 24 फरवरी से 28 फरवरी तक (पांच ट्रिप) मदार (अजमेर) से प्रतिदिन 17:10 बजे रवाना होकर रात्रि 01:30 बजे दिल्ली सराय रोहिल्ला पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 19620 दिल्ली सराय रोहिल्ला- मदार (अजमेर) प्रतिदिन एक्सप्रेस रेलसेवा 25 फरवरी से एक मार्च तक (पांच ट्रिप) दिल्ली सराय रोहिल्ला से प्रतिदिन 02:30 बजे रवाना होकर 09:20 बजे फुलेरा पहुंचेगी। यह रेलसेवा पूर्व में निर्धारित ठहरावों के अतिरिक्त पटौदी रोड, गुड़गांव, दिल्ली कैंट व दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 18 साधारण श्रेणी व दो गार्ड डिब्बों सहित कुल 20 डिब्बें होंगे।

सुरक्षा में जुटा पुलिस प्रशासन

पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने सभी शिविर संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे सड़क पर किसी भी प्रकार का टेंट, काउंटर या अन्य सामान न रखें। साथ ही जिले के ट्रैफिक एसएचओ को यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए विशेष प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं।

150 रुपये होगा बस का किराया

हरियाणा राज्य परिवहन डिपो की ओर से 24 फरवरी से 28 फरवरी तक नारनौल से खाटूश्याम जी मेला के लिए स्पेशल बस सेवा चलाई जाएगी। नारनौल से एक सवारी का किराया 150 रुपये होगा। एक साइड में बस मेले में करीब तीन घंटे में पहुंचाएगी।

मेले की पहली बसे

- *बाढ़ड़ा से सुबह 6 बजे*
- *सतनाली से सुबह 6:30 बजे*
- *महेंद्रगढ़ से सुबह 7:10 बजे*

नारनौल डिपो से सवारी अनुसार

- *सवेरे 7 बजे नारनौल-नांगल चौधरी-खाटूश्याम*
- *नारनौल से 8:20 बजे खाटूश्याम*
- *नारनौल से खाटूश्याम 11 बजे (कुरुक्षेत्र डिपो)*
- *नारनौल से खाटूश्याम 11:30 बजे (झज्जर डिपो)*
- *नारनौल से खाटूश्याम 12:00 बजे (गुरुग्राम डिपो)*
- *नारनौल से खाटूश्याम एक बजे (पलवल डिपो)*
- *नारनौल से खाटू श्याम 1:30 बजे (फरीदाबाद डिपो)*

सतनाली से सिंघाना होकर खाटूश्याम के लिए चलेगी बस

सतनाली मंडी। खाटूश्याम से सतनाली वाया सिंघाना मार्ग पर एक बस को संचालित करने की स्वीकृति दी गई है। यह बस सतनाली बस स्टैंड से चलकर विभिन्न गांवों और कस्बों बुहाना, सिंघाना, नीमकाथाना, श्रीमाधोपुर आदि से होकर खाटू श्याम आवागमन करेगी। सतनाली रेल सेवा समिति के प्रधान दीवान सिंह शेखावत ने बताया कि यह निजी बस प्रतिदिन सुबह 5:50 बजे खाटू श्याम से प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों से होते हुए लगभग 11 बजे सतनाली पहुंचेगी। वापसी में बस दोपहर 12:30 बजे सतनाली बस स्टैण्ड से चलकर शाम 5:50 बजे खाटू श्याम पहुंचेगी।

यात्रियों की सुविधा हेतु रेलसेवाओं में विस्तार

नारनौल। होली के अवसर पर रेलवे की ओर से अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु तीन जोड़ी स्पेशल रेलसेवाओं की संचालन अवधि में विस्तार किया जाएगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जन सम्पर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार होली के चलते स्पेशल रेलसेवाओं की संचालन अवधि में विस्तार किया जाएगा। जिसमें गाड़ी संख्या 09633/09634 रेवाड़ी-रींगस-रेवाड़ी स्पेशल रेलसेवा की संचालन अवधि में रेवाड़ी से एक मार्च, सात, आठ, 14, 15, 21, 22, 28, 29, 30 मार्च को (10 ट्रिप) व रींगस से दो मार्च, आठ, नौ, 15, 16, 22, 23, 29, 30, 31 मार्च को (10 ट्रिप) का विस्तार किया जाएगा। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09637/09638 रेवाड़ी-रींगस-रेवाड़ी स्पेशल रेलसेवा की संचालन अवधि में रेवाड़ी से एक मार्च, सात, आठ, 14, 15, 21, 22, 28, 29, 31 मार्च को (10 ट्रिप) व रींगस से एक मार्च, सात, आठ, 14, 15, 21, 22, 28, 29, 31 मार्च को (10 ट्रिप) का विस्तार किया जाएगा।

नारनौल। सराफा गली में कारोबारियों से सीसीटीवी कैमरों की जानकारी लेती पुलिस।

पुलिस ने सर्राफा कारोबारियों के सीसीटीवी चेक किए

सराफा कारोबारी और स्वर्णकार व्यवसायों की दुकानों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

एसपी पूजा वशिष्ठ के आदेशों की पालना में सोमवार को सिटी पुलिस की ओर से बाजार में खासकर सर्राफा गली में सराफा कारोबारी एवं स्वर्णकार व्यवसायों की दुकानों पर कैमरों का निरीक्षण शुरू किया गया।

शहर थाना से पीएसआई पंकज कुमार ने सराफा एसोसिएशन के प्रधान सुरेंद्र सोनी एवं मैढ़ क्षत्रिय प्रधान राजेंद्र प्रसाद, अजीत जैन, पूर्व पार्षद एवं पूर्व ग्रीविंसेज सदस्य दयानंद सोनी व सर्राफा कारोबारी और स्वर्णकार व्यवसायों की दुकानों का निरीक्षण किया तथा दुकानदारों के नाम एवं मोबाइल नंबर रजिस्टर में नोट किए। उन्होंने कहा कि सभी दुकानदार भाईयों को अपनी सुरक्षा हेतु व्यवस्था के लिए और जिला प्रशासन का सहयोग, सुरक्षा के लिए कैमरों को लगाना चाहिए। जिन दुकानदार भाईयों ने अपनी दुकान पर कैमरे नहीं लगवा रखे हैं, वह समय के हालिया हालातों के मद्देनजर तुरंत अपनी दुकानों पर सीसीटीवी लगवा लें। इस पर सभी दुकानदारों, जिन्होंने अपनी दुकानों पर कैमरे नहीं लगवा रखे हैं, जल्द ही अपनी दुकानों पर सीसीटीवी कलगवाने का आश्वासन दिया।

अब रोडवेज की बसें रुकेंगी आयुर्वेद कॉलेज पटीकरा, आदेश जारी

नारनौल। बाबा खेतानाथ राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल के छात्र-छात्राओं के लिए एक और खुशखबरी है। इस कॉलेज के लिए रोडवेज द्वारा एक स्पेशल बस चलाने के बाद जीएम रोडवेज ने नारनौल-अलवर रूट से चलने वाली सभी बसों का कॉलेज गेट के सामने रोकने के आदेश जारी किए हैं। रोडवेज के जीएम देवदत्त ने बताया कि नारनौल डिपो से नारनौल-अलवर मलार्ग पर चलने वाले सभी चालक/परिचालकों को आदेश दिए गए हैं कि वे अपने कार्यनिर्वाह के दौरान आते-जाते समय अपनी बसों कबो बाबा खेतानाथ राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल पटीकरा के पास रोककर छात्र-छात्राओं के साथ-साथ अन्य सवारियों को बस में चढ़ाना सुनिश्चित करें। यदि किसी चालक/परिचालक द्वारा भविष्य में उक्त आदेशों की अवहेलना करने बारे शिकायत मिली तो संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध विभागीय सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। गत एक फरवरी से चार फरवरी तक आयुर्वेद कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने हॉस्टल एवं कैंटीन की व्यवस्था करने सहित कॉलेज से बस स्टैंड तक बस चलाने की मांग की थी, जिस पर गत 16 फरवरी से बस चालू कर दी गई है। अब नए आदेशानुसार 23 फरवरी से उक्त रूट पर चलने वाली सभी रोडवेज बसों के लिए कॉलेज से सवारी चढ़ाना अनिवार्य कर दिया गया है। रोडवेज के इस निर्णय पर कॉलेज के प्रिंसिपल-कम-एमएस डा. श्रीनिवास गुज्जरवार ने जीएम देवदत्त का आभार जताया है।

आज से होलाष्टक शुरू

होलिका दहन तक शुभ कार्यों पर रहेगी रोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

आज मंगलवार से होलाष्टक प्रारंभ हो रहे हैं। जो फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी से होलाष्टक प्रारंभ हो जाते हैं। जो फाल्गुन माह की पूर्णिमा यानि होलिका दहन तक चलते है। जो दो मार्च को होलिका दहन के बाद होलाष्टक समाप्त हो जाएंगा। आज सप्तमी और अष्टमी तिथि एक साथ रहेगी। होलाष्टक के दौरान शादी-विवाह मुंडन, नामकरण, गृह प्रवेश आदि के शुभ कार्य करना वर्जित है। होलाष्टक में सभी ग्रह उग्र अवस्था में आ जाते हैं, इससे नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ जाता है। इस कारण शुभ कार्य वर्जित बताए गए है।

ज्योतिषाचार्य पंडित राहुल भारद्वाज गढ़ी ने बताया कि होलाष्टक की आठ रात्रियों का काफी अधिक महत्व है। इन आठ रात्रियों में की गई साधनाएं जल्दी सफल होती हैं। इन रातों में तंत्र-मंत्र से जुड़े लोग विशेष साधनाएं करते हैं। होलाष्टक के आठ दिनों की अलग-अलग तिथियों पर अलग-अलग ग्रह उग्र स्थिति में रहते हैं। अष्टमी को चंद्र, नवमी को सूर्य, दशमी को शनि, एकादशी को शुक्र, द्वादशी को गुरु, त्रयोदशी को बुध, चतुर्दशी को मंगल, पूर्णिमा को राहु उग्र स्थिति में रहता है। नौ ग्रहों की उग्र स्थिति की वजह से इन दिनों में मांगलिक कार्यों के लिए शुभ मुहूर्त नहीं रहते हैं। उन्होंने बताया कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार होलाष्टक का संबंध भक्त प्रह्लाद और हिरण्यकश्यप की कथा से जोड़ा जाता है।

- होलाष्टक के दौरान शादी-विवाह मुंडन, नामकरण, गृह प्रवेश आदि के शुभ कार्य करना वर्जित

रिटायर रोडवेज कर्मचारी की पत्नी के उपचार का खर्च ब्याज सहित दें सरकार

- नारनौल की अतिरिक्त सिविल जज कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में हरियाणा सरकार को दिए निर्देश

नारनौल। अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिवीजन) कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में हरियाणा सरकार को निर्देश दिया है कि वह सेवानिवृत्त हरियाणा रोडवेज कर्मचारी को उसकी पत्नी के उपचार पर खर्च हुई एक लाख 42 हजार 683 की राशि नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित अदा करें। यह फैसला अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिवीजन) विक्रम जीत सिंह ने सिविल वाद संख्या सीएस/167/2020 हजारी लाल बनाम हरियाणा राज्य एवं अन्य में सुनाया। वकील प्रमोद यादव एडवोकेट ने बताया कि मामले के अनुसार वादी हजारी लाल 16 नवंबर 1974 से 30 मार्च 2003 तक हरियाणा रोडवेज में स्टोर कीपर के पद पर कार्यरत रहे। मई 2018 में उनकी पत्नी को हृदय संबंधी आपात स्थिति के कारण जयपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां कार्डियक सर्जरी सहित उपचार पर कुल एक लाख 42 हजार 683 खर्च हुए। निर्धारित प्रक्रिया के तहत चिकित्सा प्रतिपूर्ति के लिए आवेदन किया गया, लेकिन विभाग ने स्टेंट का "स्टिकर" जमा न होने का आधार बताकर भुगतान लंबित रखा। वादी की ओर से अधिवक्ता प्रमोद यादव ने न्यायालय में पैरवी की। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने पाया कि अस्पताल के अंतिम बिल में स्टेंट का नाम, बैच नंबर और कीमत स्पष्ट दर्ज थी। दिशा-निर्देशों के अनुसार बैच नंबर या स्टिकर में से किसी एक का होना पर्याप्त है, इसलिए तकनीकी आधार पर भुगतान रोकना उचित नहीं माना गया। कोर्ट ने आदेश दिया कि पूरी राशि वाद दायर करने की तिथि से भुगतान तक नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित चार माह के भीतर अदा की जाए। तय समय में भुगतान न होने पर वादी को विधि अनुसार निष्पादन कार्यवाही करने की छूट भी दी गई।

पारदर्शी होगा प्रॉपर्टी रिकॉर्ड व शहर को मिलेगी अवैध कब्जों से मुक्ति

प्रशासन की 10 अलग अलग टीमें सर्वे के कार्य में जुटी

नारनौल की 10 नई कॉलोनियों में नक्शा प्रोजेक्ट का कार्य शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के विजन के अनुरूप शहरों का डिजिटल रिकार्ड दुरुस्त करने तथा व्यवस्थित विकास करने की दिशा में शहर का नक्शा प्रोजेक्ट पर काम अब 10 और कॉलोनियों को जोड़ा गया है। जिला नगर आयुक्त रणवीर सिंह ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए प्रशासन की 10 अलग अलग टीमें लगातार शहर के विभिन्न हिस्सों में सर्वे और मैपिंग के कार्य में जुटी हुई हैं।

हरियाणा सरकार के इस विशेष प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य शहर के हर क्षेत्र का सटीक रिकॉर्ड तैयार करना है, ताकि भविष्य में लोगों को अपनी प्रॉपर्टी और जमीन जायदाद से संबंधित किसी भी प्रकार के विवाद का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि इस डिजिटल मानचित्रण के तैयार होने के बाद न केवल आम जनता को कानूनी उलझनों से मुक्ति मिलेगी, बल्कि प्रशासनिक कार्यों में भी और अधिक पारदर्शिता आएगी तथा सरकार को विकास योजनाओं की रूपरेखा तैयार करने में बड़ी मदद मिलेगी। जिला नगर आयुक्त ने बताया कि शहर की कई कॉलोनियों में काम पहले से ही चल रहा है। इसी कड़ी में अब 10 नई कॉलोनियों और क्षेत्रों में भी सर्वे का काम शुरू कर दिया गया है।

पहले चरण के तहत कैलाश नगर नॉर्थ, एंप्लॉयज कॉलोनी, आदर्श नगर, अग्रसेन कॉलोनी, दया नगर, मोती नगर, केशव नगर, शास्त्री नगर, शिव कॉलोनी, एचएसवीपी सेक्टर एक में कार्य का आवंटन किया जा चुका है। अब प्रशासन ने इस दायरे को बढ़ाते हुए कैलाश नगर साउथ, जुडिशियल कॉम्प्लेक्स एवं एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक, आदर्श नगर एक्सटेंशन, अग्रसेन कॉलोनी एक्सटेंशन, दया नगर एक्सटेंशन, सेक्टर एक पार्ट एक व दो, केशव नगर एक्सटेंशन, शास्त्री नगर 2004, शिव कॉलोनी पार्ट एक और विलेज नसीबपुर हुडा सेक्टर के समीप बाहरी क्षेत्र में भी नए सिरे से आवंटन कर काम शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

नारनौल। नक्शा प्रोजेक्ट के तहत सर्वे में लगी टीम। फोटो : हरिभूमि

डिजिटल रिकॉर्ड दुरुस्त करने का लक्ष्य

डीएमसी ने बताया कि सरकार का लक्ष्य है कि शहर के हर घर और हर गली का डिजिटल रिकॉर्ड दुरुस्त हो, जिससे अवैध कब्जों पर रोक लगे और शहर के सुनियोजित विकास को एक नई गति मिल सके।

हरिभूमि
सहेली
रोहतक,मंगलवार
24 फरवरी 2026

एक बार जीवनसाथी से इमोशनल बॉन्डिंग कम होने लगे तो मैरिटल आइसोलेशन की पीड़ा मिलना तय है। ऐसे हालात में एक ही घर में रहने वाले, साथ जीवन बिताने वाले दंपती आपस में अपरिचित लगने लगते हैं। दांपत्य जीवन में यह स्थिति बहुत खतरनाक है। इससे कैसे बचा जाए और कैसे दांपत्य जीवन मधुर रहे, आपके लिए जरूरी सलाह।

मैरिटल आइसोलेशन से बचें
बनाए रखें इमोशनल बॉन्डिंग

कवर स्टोरी
स्नेहा सिंह

प्रायः यह देखा जाता है, शादी के कुछ समय बाद पति-पत्नी के बीच पहले जैसा आकर्षण नहीं रहता है या फिर इस आकर्षण में उन्हें कोई रुचि नहीं रहती। कारण अनेक हो सकते हैं, लेकिन समाधान क्या है, यह विचारणीय है। सामान्यतः विवाह के कुछ वर्ष बीतते ही यह भावना किसी एक या दोनों पक्षों में जन्म लेने लगती है। पति या पत्नी या फिर दोनों यह मानने लगते हैं कि उनके लाइफ पार्टनर को उनमें कोई रुचि नहीं रही। वे उन्हें अकेला छोड़ देते हैं। वास्तविकता यह है कि आप एक ही बिस्तर पर सोते हैं, एक ही डिनर टेबल पर बैठते हैं, साथ में टीवी देखते हैं, एक ही संतान या संतानों का पालन-पोषण मिलकर करते हैं और फिर भी अकेलापन महसूस होता है। आप सहवास करते हैं, पर उसमें प्रेम नहीं होता। आप बात करते हैं, उसमें उत्साह नहीं होता। आप साथ रहते हैं, उसमें कहीं भी सच्चा साथ नहीं होता। यह अकेलेपन का वायरस आसानी से समझ में नहीं आता है। धीरे-धीरे मन में घर करता है और फिर अपने पांव पसारता है। जब तक बीमारी समझ में आती है, तब तक वैवाहिक जीवन में अकेलापन, ऊब और अवसाद फैल चुका होता है। व्यक्ति इमोशनल मालन्यूट्रिशन (एक मनोवैज्ञानिक अवस्था, जिसमें आपसी लगाव कमजोर होने लगता है) का शिकार होने लगता है।

अपनी-अपनी दुनिया में खोए पति-पत्नी

अकसर देखा जाता है कि पति-पत्नी साथ बैठे होते हैं, एक ही व्हाट्सएप ग्रुप में दस-पंद्रह बार मैसेज पोस्ट करते रहते हैं, लेकिन एक-दूसरे से बात नहीं करते। बेडरूम में साथ होंगे, लेकिन दोनों अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में बिजी रहते हैं। वर्चुअल दुनिया में घूमते दोनों आपसी संवाद से दूर होते हैं फिर अकेलेपन और नीरस वैवाहिक संबंध की शिकायत करते हैं। इसी संदर्भ में एक उदाहरण- निक्की और वेद की शादी को तीन वर्ष ही हुए थे। दोनों उच्च शिक्षित हैं, संपन्न परिवारों से हैं। वेद अपना फैमिली बिजनेस संभालता, जबकि निक्की अधिकतर समय घर पर बिताती, अपने मित्रों और सास के साथ मिलकर कुछ चैरिटी के काम करती। वह एक छोटा-सा संगठन भी चलाती थी। यह संस्था मूलतः उसकी सास के लिए उसके ससुर ने शुरू की थी, लेकिन निक्की उसमें थोड़ा समय देकर स्वयं को सक्रिय रखती थी। बाकी समय वह घर पर ही रहती। स्थिति तब बदली जब उसके सास-ससुर, वेद के बड़े भाई के पास रहने अमेरिका चले गए। अब घर में केवल दो ही लोग रह गए, वेद और उसकी पत्नी निक्की। शुरुआत में वेद के घर आने के बाद निक्की उत्साह से खाना बनाती, घर को नए-नए तरीके से सजाती। मित्रों को बुलाकर पार्टी करती। वेद भी उत्साह से उसमें शामिल होता। कुछ महीनों तक यह उत्साह बना रहा, फिर धीरे-धीरे उसमें कमी आने लगी। अब स्थिति यह हो गई कि कई बार वेद बिजनेस मीटिंग के कारण देर से आता, कभी अपने चपरासी से कपड़े मंगवा लेता और ऑफिस से ही सीधे

बिजनेस ट्रिप पर चला जाता। शहर में भी होता तो ऑफिस पार्टी या अन्य कारणों से देर से घर आता। यह सिलसिला धीरे-धीरे बढ़ने लगा। निक्की कई बार वेद की पसंद का खाना बनाती, लेकिन वह बाहर से डिनर करके आता या आधी रात को लौटकर खाना ही नहीं खाता। छुट्टी के दिन भी वह कमरे में लैपटॉप लेकर बैठा रहता, काम करता रहता। धीरे-धीरे वेद और निक्की के बीच सारे संवाद बंद से हो गए। वेद-निक्की, जो कभी लव बर्ड्स थे, अब एक-दूसरे पर चिल्लाते-गुस्साते। निक्की को लगने लगा कि वेद को अब उसमें कोई रुचि नहीं है। शादी हो गई, पत्नी मिल गई, अब सब समाप्त। दूसरी ओर वेद को लगता कि निक्की देर तक जाग नहीं सकती, पार्टियों में साथ नहीं आ पाती, इसलिए उसका घर में रहना ही बेहतर है। संबंधों में यह उपेक्षा कभी स्वाभाविक रूप से तो कभी जानबूझकर होती है। अन्य पारिवारिक संबंधों में इसे कुछ समय तक सहा जा सकता है, लेकिन जब पति-पत्नी ही एक-दूसरे की उपेक्षा करने लगें तो वैवाहिक संबंध अपने मायने खो देते हैं। शेष बचता है संताप, जो अत्यंत घातक है।

चाहिए एक मास्टर प्लान

हम सभी को एक बात स्वीकार करनी होगी, घर हो या संबंध, उसे संभालने के लिए एक मास्टर प्लान चाहिए। जिस प्रकार घर बसाने के बाद उसकी देखभाल की प्लानिंग की जाती है, उसी तरह विवाह के बाद संबंध को बनाए रखने की भी एक प्लानिंग बनानी चाहिए। इक्कीसवीं सदी की जीवनशैली में इस तरह का मास्टर प्लान और भी जरूरी हो गया है, क्योंकि हम भौतिक जीवन को महत्व देने लगे हैं। कई बार हम वस्तुएं देकर संबंध बनाते और निभाते हैं, भावनाएं नहीं होती हैं। हम भावनाओं की बचत करते हैं और पैसे खर्च करते हैं, इसी कारण संबंध सिंथेटिक होते जा रहे हैं। हमें इससे बचना चाहिए, जीवन में भावनाओं का महत्व समझना चाहिए।

बहुत जरूरी है पति-पत्नी के बीच विश्वास

पति-पत्नी के संबंध बने रहें, इसके लिए सबसे अधिक जरूरी है, एक-दूसरे के प्रति विश्वास। जीवन किसी भी स्थिति में हो, अपने जीवनसाथी से हमेशा संवाद बनाए रखना चाहिए। अपनी समस्याओं पर खुलकर बात करना चाहिए, इससे समस्याओं का समाधान निकलता है। जीवनसाथी से अधिक सहजता से कोई आपकी कठिनाइयों को नहीं समझ सकता और न सही समाधान दे सकता है। पति-पत्नी यदि एक-दूसरे को 'आई लव यू' न भी कहें, इससे बहुत फर्क नहीं पड़ता, लेकिन यदि प्रेम का अहसास एक-दूसरे को न कराएं तो रिश्ते अपना अर्थ खो देते हैं। व्यक्ति अकेलेपन को दूर करने के लिए जीवनसाथी खोजता है, यदि विवाह के बाद भी वह अकेलापन महसूस करे तो यह गंभीर चिंता का विषय हो जाता है, क्योंकि विवाह संस्था समाज की सबसे बड़ी आधारशिला है।

बनाए रखें संवाद

दांपत्य जीवन में आज के समय में हमारी सबसे बड़ी समस्या यह है कि हम जीवनसाथी से संवाद करना ही भूल जाते हैं। जिसके साथ रहते हैं, जीवन बिता रहे हैं, उसी से बात करने की जरूरत नहीं महसूस करते। हम उसके स्वभाव, प्रतिक्रिया और विचारों को लेकर अपनी गलत धारणाएं बना लेते हैं, उसी आधार पर प्रतिक्रिया देते हैं। गलत धारणाओं से शुरू हुआ यह चक्र धीरे-धीरे विषचक्र बन जाता है। हमें यह स्वीकार करना चाहिए, दांपत्य की हर समस्या-कठिनाई का समाधान पति-पत्नी के आपसी संवाद में ही है। यदि समाधान बाहर ढूंढ़ेंगे तो स्थिति और उलझेगी। अपने जीवनसाथी के साथ रहकर भी यदि हम उसे समझ न सकें और स्वयं को भी न समझा सकें, तो दांपत्य के मायने खो जाते हैं। एक बार जीवनसाथी के साथ इमोशनल बॉन्डिंग कम होने लगे तो मैरिटल आइसोलेशन की पीड़ा जन्म लेगी ही, हमें इससे बचना चाहिए। हमेशा यह कोशिश होनी चाहिए, दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहे। ❁

कुछ लोग अपना ध्यान किसी काम में केंद्रित नहीं कर पाते हैं, पल भर में उनका ध्यान किसी दूसरी ओर चला जाता है, दूसरे ही पल फिर किसी और तरफ। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो अमल में लाएं यहां बताई बातें।

क्या आपको अपना ध्यान केंद्रित करने में परेशानी होती है?

सलाह
विधि गोयल

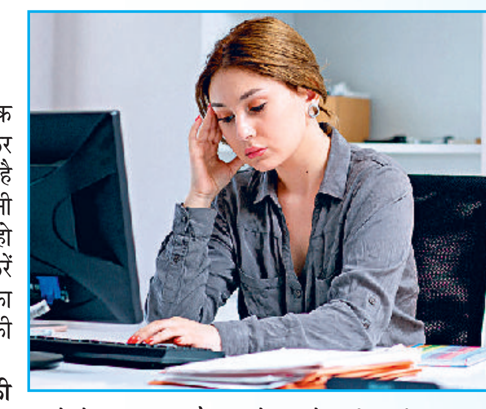

क्या आपका मन भी किसी एक चीज पर फोकस नहीं कर पाता, इधर-उधर ध्यान भटकता रहता है यानी, ध्यान केंद्रित करने में परेशानी होती है, चाहकर भी ध्यान केंद्रित नहीं हो पाता, तो आप इसको नजरअंदाज न करें और सावधान हो जाएं। क्योंकि इसका अर्थ है कि आप एकाग्रता की कमी की समस्या का शिकार हो रही हैं।

न्यूरोडेवलपमेंट डिसऑर्डर की प्रॉब्लम: अगर किसी को ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो रही है, तो इसका एक कारण अटेंशन डेफिसिट हाइपर एक्टिविटी डिसऑर्डर (ए. डी. एच. डी.) हो सकता है। यह एक न्यूरोडेवलपमेंट डिसऑर्डर है, जो ध्यान और एकाग्रता जैसी समस्याओं को प्रभावित करता है। कुछ लोग चीजें भूलने लग जाते हैं, उन्हें बेचैनी रहती है और एक जगह बैठने में दिक्कत होती है। ये सभी अटेंशन डेफिसिट हाइपर एक्टिविटी डिसऑर्डर के लक्षण होते हैं, जिसके कारण ध्यान केंद्रित करने में परेशानी होती है। इसके अलावा शॉर्ट अटेंशन स्पैन के कई अन्य कारण डिप्रेशन, नींद में कमी या सोशल मीडिया पर ज्यादा समय बिताना भी हो सकता है। ध्यान केंद्रित न होने की समस्या को सोशल मीडिया का समय तय करने के अलावा लाइफ में कुछ अन्य बातों को अमल में लाकर आप अपने कामों में ध्यान केंद्रित करने की आदत में काफी हद तक सुधार ला सकती हैं। इस बारे में आपको भी जरूर जानना चाहिए।

रेग्युलर ब्रेक लें: बर्नआउट से बचने के लिए काम के दौरान छोटे-छोटे ब्रेक लें, इससे माइंड रिलैक्स होगा, थकान से राहत मिलेगी और एकाग्रता में सुधार आएगा।

ब्रेन गेम्स खेलें: हर वक्त काम में बिजी रहने से टेंशन और एंग्जाइटी होती है। इससे बचने के लिए सुडोकू, क्रॉसवर्ड, बुक रीडिंग, पहेलियां और मेमोरी गेम्स खेलें। इससे एकाग्रता बढ़ती है।

टाइम मैनेजमेंट करें: हर रोज सभी कार्यों को समय पर करने के लिए पहले से प्लानिंग करके टू डू लिस्ट तैयार करें। इससे सभी कार्य समय पर पूरे होते हैं, जिससे एकाग्रता में सुधार होता है। इसके अलावा रोज के काम जरूर पूरा करें। कार्य को कल पर टालने से बचें।

माइंडफुलनेस की प्रैक्टिस करें: माइंडफुलनेस और मेडिटेशन से सांसों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है और मन को भटकाने वाले विचारों से राहत मिलती है और ब्रेन को बेहतर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है।

पर्याप्त नींद लें: नींद की कमी से भी एकाग्रता की कमी की समस्या होती है। इसलिए व्यस्त दिनचर्या के कारण शरीर को होने वाली थकान से बचाने के लिए रात में 7 से 9 घंटे की भरपूर नींद लें। इससे शरीर और दिमाग रिलैक्स होगा और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बेहतर होगी।

हाइड्रेटेड रहें और हेल्दी डाइट लें: हेल्दी डाइट लेने से एकाग्रता और याद्दाश्त पर सीधा प्रभाव पड़ता है। एकाग्रता बढ़ाने के लिए मछली, अंडे, ब्लूबेरी और पालक जैसे खाद्य पदार्थ डाइट में शामिल करें। साथ ही शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए भरपूर मात्रा में पानी पिएं। ।

वर्कआउट से मिलता है लाभ: नियमित रूप से एक्सरसाइज करने से शरीर में ब्लड का सर्कुलेशन ठीक होता है, जिससे ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ जाता है और शरीर दिनभर एक्टिव और हेल्दी रहता है। रोज केवल 30 मिनट वॉक करने से भी फोकस करने की क्षमता काफी बेहतर होती है। ❁

(मनोचिकित्सक डॉ. मीनाक्षी मनचंदा से बातचीत पर आधारित)

लोक-व्यवहार
अलका 'सोनी'

अगर आपके पड़ोसी अच्छे हैं तो आप बहुत खुशनसीब हैं। पड़ोसी आपका ध्यान रखकर मानसिक सुरक्षा ही नहीं देते, सकारात्मक माहौल देकर आपको स्वस्थ और प्रसन्न रखते हैं। इसलिए पड़ोसी से हमेशा अपने संबंध आत्मीय रखें।

हमें स्वस्थ-प्रसन्न रखते हैं अच्छे पड़ोसी

बड़े-बुजुर्ग कहा करते हैं कि पड़ोस से इतना रिश्ता जरूर रखना चाहिए कि जब भी सामने पड़ें तो नजरें मिला सकें। क्योंकि मौके-बेमौके वे ही काम आते हैं। बुजुर्गों के इस कहन में उनका वर्षों का जीवन अनुभव है, वे इस बात को भली-भांति समझते हैं कि हमारी खुशी व्यष्टि से ज्यादा समष्टि में निहित होती हैं। सामाजिक मेल-जोल अकेलेपन, अवसाद और चिंता से हमारी सुरक्षा करता है। हमारी भारतीय संस्कृति में आस-पड़ोस से अपनेपन के रिश्ते सदियों पुराने देखे गए हैं। भारत में हर त्योहार आज भी पड़ोस के साथ मिलकर ही मनाया जाता है। इस संस्कृति को अब विदेशों में भी अपनाया जा रहा है। इस पर अनेक विदेशी मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्री अध्ययन भी कर रहे हैं।

मानसिक रूप से स्वस्थ रखता है आस-पड़ोस: आज जिसे देखो वहीं अवसाद से ग्रस्त रहता है। इसका एक बहुत बड़ा कारण है- अकेलापन। इस संकट से निपटने के लिए हमारे बुनियादी सामाजिक ढांचे का मजबूत होना बहुत जरूरी है। जिसमें सामाजिकता और शारीरिक गतिविधि को प्रोत्साहित करने वाले पड़ोस की भूमिका अहम हो जाती है। आस-पड़ोस का स्वस्थ वातावरण हमारे जीवन को अनेक प्रकार से प्रभावित करता है। अकेले रहना, अपने पड़ोसियों से बातचीत नहीं करना, मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। दूर के लोगों से अच्छी मित्रता होना ठीक है, लेकिन आपके पड़ोस में रह रहे लोगों से अच्छी बनती है तो यह किसी वरदान से कम नहीं है। इसके एक नहीं अनेक फायदे हैं, हमें यह जरूर जानना चाहिए-

बढ़ती है उम्र: मनोविज्ञान कहता है कि खुश और व्यस्त रहना, लंबी उम्र के लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि इससे आपके अंदर ऊर्जा और जिजीविषा बनी रहती है, हम दीर्घायु होते हैं। इसमें हमारे अच्छे पड़ोसी बहुत मददगार साबित होते हैं। अमेरिका के नेबरहुड क्वालिटी ऑफ लाइफ स्टडी के एक डेटा विश्लेषण, जिसमें सिएटल, बाल्टीमोर और वाशिंगटन डीसी के 32 पड़ोस में रहने वाले वयस्क शामिल थे, के निष्कर्ष ने बताया कि हमारे पड़ोसी सामाजिक संपर्क को बढ़ावा देते हैं, जैसे कि नमस्ते करना, मदद मांगना या पड़ोसियों के साथ मेल-जोल बढ़ाना।

मिलती है सुरक्षा: आस-पड़ोस से अच्छा रिश्ता सुरक्षा की दृष्टि से भी जरूरी है, क्योंकि जब आपके पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध होते हैं, तो वे आप पर नजर रखते हैं। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति के बारे में आपको सचेत रखते हैं। आपकी अनुपस्थिति में संभावित नुकसान से बचाते हैं। आपके घर के आस-पास आवांछित गतिविधि पर पुलिस को कॉल कर आपकी मदद करते हैं ताकि आप मुसीबत से बचें। कहते हैं, संकट के समय रिश्तेदार से पहले पड़ोसी ही मदद करते हैं।

मिलती है स्वास्थ्यवर्धक सकारात्मकता: अगर आपको स्नेही और मित्रवत पड़ोसी मिले हैं, यह किसी आशीर्वाद से कम नहीं है, क्योंकि शत्रुतापूर्ण पड़ोसियों के साथ रहने से नकारात्मक माहौल बनता है, इसका आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। जब आप अपने पड़ोसी के साथ खुश और सकारात्मक रहती हैं, तो बातचीत में किसी प्रकार का तनाव महसूस नहीं करती हैं, इससे मूड सही रहता है। ❁

सबको मिलती है खुशी

अच्छा और स्वस्थ माहौल सबके लिए जरूरी है। इसमें पड़ोसियों की भूमिका अहम होती है। एक अच्छे पड़ोसी का महत्व हमने सबसे ज्यादा कोरोना काल में महसूस किया था, जिसकी वजह से महामारी के दौरान लोग अकेलेपन और अवसाद से बचे रहे। होली के रंग और दिवाली की रोशनी की चमक तब तक अधूरी है, जब तक कि ये सबके साथ नहीं मनाए जा रहे हों। अच्छे पड़ोसी विशेषकर बुजुर्गों से बच्चों को अच्छी परवरिश, युवाओं को सही मार्गदर्शन और सपोर्ट मिलता है। बुजुर्गों को भी युवाओं का साथ और सहयोग मिलता है। ऐसा स्वस्थ माहौल सबको आपस में बांधे रखता है। सबको एक खुशी मिलती है।

हेयर केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

आपके बाल दिखेंगे घने-खूबसूरत
अपनाएं ये आसान कारगर उपाय

घने और खूबसूरत बाल हर महिला की चाहत होती है, लेकिन खराब जीवनशैली और भाग-दौड़ भरी व्यस्तता में बालों की अच्छी तरह देखभाल करना किसी चुनौती से कम नहीं लगता है। इसके अलावा अधिकतर महिलाएं चेहरे को निखारने पर जितना ध्यान देती हैं, उतना बालों की देखभाल पर नहीं देती हैं। इससे बाल रूखे, बेजान और कमजोर होने लगते हैं। इनसे बचने के लिए आपको कुछ उपायों पर अमल करना चाहिए।

रेग्युलर क्लीनिंग: बालों की अच्छी देखभाल के लिए सबसे जरूरी है कि आप अपने बालों को अच्छी तरह से नियमित धोएं और इसके लिए केमिकल के बजाय नेचुरल चीजों को यूज करें। दरअसल, बाजार में मिलने वाले केमिकल प्रोडक्ट्स के नियमित प्रयोग करने से बालों पर काफी बुरा असर पड़ता है। इससे बचने के लिए आप घर पर ही हेयर क्लींजर तैयार कर सकती हैं। इसके लिए आप आंवला, रीठा और शिकाकाई का उपयोग कर सकती हैं। यह आपके बालों को पोषण देने के साथ-साथ स्कैल्प को भी साफ करता है। इस हेयर वॉशर को बनाने के लिए एक मुट्ठी सूखा रीठा, शिकाकाई और आंवला लें। इन्हें एक लीटर पानी में डालकर रात भर भीगने के लिए रख दें। अगले दिन इनको पानी के साथ धीमी आंच पर तब तक उबालें, जब तक कि पानी आधा न रह जाए। लेकिन इसको तेज आंच पर न उबालें। अब इस मिश्रण को ठंडा होने दें और फिर छलनी की मदद से इसे छान लें। फिर इस मिश्रण का इस्तेमाल अपने बालों को धोने के लिए करें। इससे आपके बाल पूरी तरह साफ हो जाएंगे और केमिकल्स के दुष्प्रभावों से भी बचे रहेंगे।

हेयर ऑयलिंग: बालों की ऑयलिंग करने से भी उनको बहुत मजबूती मिलती है। इसके लिए बालों में हल्के हाथ से तेल से मसाज करें। इससे बालों की कोशिकाओं में रक्त का संचार बढ़ता है। इससे बाल कोमल और चमकदार हो जाते हैं। ध्यान रहे कि आपको बालों को तेजी से रगड़ना नहीं है। आप बालों में नारियल का तेल या जैतून का तेल लगा सकती हैं। बालों को स्वस्थ बनाने में बादाम का तेल भी बहुत कारगर होता है।

डेंड्रफ दूर करने के लिए: बालों में डेंड्रफ यानी रूसी की समस्या से भी बहुत सी महिलाएं परेशान रहती हैं। इससे बाल कमजोर होकर झड़ने भी लगते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए शुद्ध नारियल का तेल या तिल का तेल इस्तेमाल करना कारगर है। आप शुद्ध जैतून का तेल गर्म करके भी लगा सकती हैं।

इन उपायों के अलावा मजबूत और खूबसूरत बालों के लिए लाइफस्टाइल और डाइट पर भी ध्यान देना होगा। ❁

मेडिकल एडवाइस
डॉ. माला श्रीवास्तव
सीनियर गायनेकोलॉजिस्ट
सर गंगाराम हॉस्पिटल, दिल्ली

मेनोपॉज के शुरुआती दिनों से कुछ महीने बाद तक महिलाओं को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं परेशान करती हैं। ऐसे में परेशान न होकर राहत पाने के उपायों को अपनाना चाहिए। इस बारे में यहां डिटेल में बता रहे हैं।

मेनोपॉज के दौरान होने वाली प्रॉब्लम्स
टेंशन न लें-राहत के उपाय अपनाएं

अगर आपकी उम्र 45 साल से ज्यादा हो चुकी है, आपको अनियमित पीरियड्स, अनिद्रा और रात को पसीना आने जैसी समस्याएं परेशान करती हैं तो यह मेनोपॉज का लक्षण हो सकता है। यह महिलाओं के जीवन का ऐसा दौर है, जब उनके शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरॉन नामक हार्मोन का सीक्रीशन कम होने लगता है, जिसके परिणामस्वरूप उनके पीरियड्स आना बंद हो जाते हैं। उम्र के इस दौर में महिलाओं को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है, लेकिन सही जानकारी और जीवनशैली बदलाव लाकर इनसे बचा जा सकता है।

होने वाली शुरुआती समस्याएं: मेनोपॉज के शुरुआती दौर को पेरिमेनोपॉज कहा जाता है। इस दौरान सबसे बड़ी समस्या हॉट फ्लैशेस की होती है, जिसमें अचानक शरीर में गर्मी की लहर महसूस होती है, पसीना आता है और दिल की धड़कन तेज हो जाती है। यह रात में नाइट स्वेट्स के रूप में भी प्रकट होता है, जो नींद में बाधा डालता है। वेजाइनल ड्रायनेस एक और प्रमुख समस्या है, जिसमें वेजाइना में सूखापन और जलन होती है, जो सेक्स के दौरान दर्द का कारण बनती है। हार्मोनल बदलाव के कारण मूड स्विंग्स, चिड़चिड़ापन, उदासी और एकाग्रता में कमी भी देखी जाती हैं। कुछ महिलाओं को अनियमित पीरियड्स, सिरदर्द या जोड़ों में दर्द का अनुभव होता है। ये लक्षण कुछ महीनों से तीन-चार वर्ष तक रह सकते हैं। यदि मेनोपॉज समय से पहले होता है, तो ये लक्षण अधिक गंभीर हो सकते हैं।

मेनोपॉज के बाद की समस्याएं: मेनोपॉज के बाद की अवधि पोस्टमेनोपॉज कहलाता है, जिसमें लक्षण कम हो सकते हैं, लेकिन स्वास्थ्य जोखिम बढ़ जाते हैं। एस्ट्रोजन की कमी के कारण हृदय रोग का खतरा बढ़ता है, क्योंकि यह हार्मोन रक्त वाहिकाओं को लचीला रखने और कोलेस्ट्रॉल को संतुलित करने में मदद करता है। मेनोपॉज के बाद ऑस्टियोपोरोसिस भी हो सकता है, जिसमें हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और फ्रैक्चर का खतरा बढ़ता है। मेनोपॉज के बाद महिलाओं की बोन डेंसिटी 25 प्रतिशत तक घट सकती है। खासतौर पर बैकबोन और हिप्स में दर्द होने की आशंका बढ़ जाती है। मेनोपॉज के बाद वेजाइनल ड्रायनेस और यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (यूटीआई) बढ़ सकते हैं। इसी वजह से मनोपॉज के बाद कुछ महिलाओं में चिड़चिड़ापन, उदासी और डिप्रेशन जैसे लक्षण नजर आते हैं। ❁

इन बातों का रखें ध्यान

- मेनोपॉज से पहले अनियमित पीरियड्स, हल्की या कम ब्लीडिंग सामान्य बात लक्षण है, लेकिन जब कई दिनों तक हेवी ब्लीडिंग हो तो यह चिंताजनक है, ऐसी स्थिति में आपको बिना देर किए स्त्री रोग विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए।
- डाइट में मिल्क प्रोडक्ट्स को प्रमुखता से शामिल करें। इनमें मौजूद कैल्शियम से आपकी हड्डियों को मजबूती मिलेगी।
- अपने नियमित आहार में हर तरह की दाल, अंकुरित अनाज, हरी पत्तेदार सब्जियों और मौसमी फलों को प्रमुखता से शामिल करें।
- प्रतिदिन सुबह आधे घंटे के लिए धूप में जरूर बैठें। सूरज की किरणों से मिलने वाला विटामिन-डी हड्डियों की मजबूती के लिए जरूरी होता है।

प्रस्तुतिः विनीता

खबर संक्षेप

पशु सखियों के क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ

नारनौल। एसएम सहगल फाउंडेशन एवं एचडीएफसी बैंक के संयुक्त प्रयास से संचालित परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत महेंद्रगढ़ ब्लॉक के 15 गांवों में कार्यरत पशु सखियों के तीन दिवसीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य पशु सखियों को तकनीकी ज्ञानवर्धन एवं स्वरोजगार के बारे में जानकारी देना था। कार्यक्रम में पशुपालन विभाग के विशेषज्ञ डॉ. ज्योति, डॉ. अनिल जिलोवा, डॉ. अनिल जांजड़ा व युवराज गौड़ ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत संस्था के पशुधन विशेषज्ञ चरण सिंह नरुका ने पशु सखियों के कार्य का परिचय देते हुए की।

बेवल में सात दिवसीय सेवा शिविर लगाया

महेंद्रगढ़। गांव बेवल स्थित योग वेदांत आश्रम के समक्ष सड़क मार्ग के निकट बाबा खाटूश्याम श्याम भक्तों एवं श्रद्धालुओं के सहयोग से सप्त दिवसीय सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में कनीना से नारनौल जाने वाले सड़क मार्ग पर खाटूश्याम को प्रस्थान करने वाले ध्वजा वाहकों को सुबह चाय पकौड़े, दिनभर गन्ने के रस की निःशुल्क सेवा की जा रही है। ग्रामवासी भानाराम चौधरी, सुरेंद्र नम्बरदार व राजवीर बोहरा ने बताया कि यह सेवा शिविर 20 फरवरी से चल रहा है तथा 27 फरवरी तक चलेगा।

जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नारनौल। राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के अंतर्गत सोमवार का दिन सामाजिक जागरूकता एवं राष्ट्रभक्ति को समर्पित रहा। प्रातःकालीन सत्र में मेजर सतीश दहिया कॉलेज के एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा यादव सभा नांगल चौधरी से ढाणी बंधवाली में सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली निकाली गई। इसके उपरांत उप निरीक्षक नीलम एवं कांस्टेबल सुनील कुमार द्वारा यातायात नियमों एवं साइबर अपराध विषय पर व्याख्यान दिया गया।

रोटरी क्लब रॉयल्स ने किया पौधरोपण

नारनौल। रोटरी क्लब रॉयल्स ने सोमवार को विश्व रोटरी दिवस चितवन वाटिका में पौधारोपण कर मनाया। इस अवसर पर क्लब के प्रधान दिनेश भार्गव ने कहा कि रोटरी एक अंतरराष्ट्रीय सेवा संगठन है, जिसकी स्थापना वर्ष 1905 में शिकागो अमेरिका में समाजसेवा व मानवता की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। आज संस्था विश्व के 200 से अधिक देशों में कार्यरत है और शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण व शांति के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है।

राजकीय भड़फ स्कूल में विद्यार्थियों को जल संरक्षण के लिए किया जागरूक

आज हम जल बचाएंगे तो कल जल हमें बचाएगा

जल के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं पेयजल के नलों पर टोंटी अवश्य होनी चाहिए व नलों को अनावश्यक रूप से खुला नहीं छोड़ना चाहिए

पृथ्वी पर लगभग दो तिहाई भाग पानी से घिरा हुआ है, लेकिन पीने योग्य जल बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध है। इसलिए हमें पेयजल की प्रत्येक बूंद का महत्व समझते हुए उसका संरक्षण करना चाहिए

नारनौल। भड़फ विद्यालय में बच्चों को जल संरक्षण का संदेश देते जिला सलाहकार। फोटोः हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की ओर से ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में चलाए जा रहे विशेष जल संरक्षण अभियान के तहत ग्राम पंचायत भड़फ में विद्यालय गतिविधि आयोजित कर विद्यार्थियों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पृथ्वी पर लगभग दो तिहाई भाग पानी से घिरा हुआ है, लेकिन पीने योग्य जल बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध है। इसलिए हमें पेयजल की प्रत्येक बूंद का महत्व समझते हुए उसका संरक्षण करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पेयजल के नलों पर टोंटी अवश्य होनी चाहिए व नलों को अनावश्यक रूप से खुला नहीं छोड़ना चाहिए। जितना पानी आवश्यक हो उतना ही उपयोग करें और उसके बाद नल को तुरंत बंद कर दें। उन्होंने कहा कि जल के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। आगामी गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए यदि हम अभी से जल का महत्व समझेंगे, तो गर्मियों में पेयजल की संभावित किल्लत से बचा जा सकता है। साथ ही गिरते हुए भूमिगत जल स्तर को भी संरक्षित किया जा सकता है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज हम जल बचाएंगे तो कल जल हमें बचायेगा। इस अवसर पर विद्यालय की अध्यापिकाएं सुनीता, अनीता, उर्मिला, स्नेहलता, सुमन, अध्यापक नीरज, नरेन्द्र कुमार, पवन कुमार, बीआरसी मोहित कुमार, बीआरसी धर्मेन्द्र सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बकाया राशि जमा करवाने की अपील

जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने बताया कि जिलेभर में विभागीय टीमें गांवों व शहरों में घर घर जाकर उपभोक्ताओं को जल संरक्षण के प्रति जागरूक कर रही हैं। साथ ही पेयजल व सीवर के बकाया बिलों की वसूली के लिए भी उपभोक्ताओं से अपील की जा रही है, ताकि एकत्रित राजस्व से उपभोक्ताओं को बेहतर पेयजल सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत के प्रत्येक वार्ड से प्राकृतिक लीडर का चयन भी किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि जनवरी माह से अब तक ग्रामीण क्षेत्रों में 518 उपभोक्ताओं से 241908 रुपये व शहरी क्षेत्रों में 2918 उपभोक्ताओं से 1815115 रुपये का राजस्व एकत्रित किया जा चुका है। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे 31 मार्च तक अपने बकाया पेयजल शुल्क अवश्य जमा कर दें। विभाग की ओर से ऑनलाइन भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई है। उपभोक्ता अपने मोबाइल के माध्यम से गूगल पे, फोनपे, भीम यूपीआई, पेटीएम, सरल केंद्र आदि के जरिए बिल का भुगतान कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त विभागीय कार्यालय में जाकर भी बकाया राशि जमा करवाई जा सकती है।

मंडी अटेली। विजेता बच्चों के साथ स्कूल स्टाफ। फोटोः हरिभूमि

अद्भुत और समर्पण का परिणाम

हिंदुस्तान पब्लिक स्कूल का अंग्रेजी ओलंपियाड में उम्दा प्रदर्शन

- स्वर्ण रजत और कांस्य पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

हिंदुस्तान पब्लिक स्कूल सलीमपुर के छात्रों ने अंग्रेजी विषय ओलंपियाड में मारी बाजी। इस प्रतियोगिता में स्कूल छात्रों ने स्वर्ण रजत और कांस्य पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। यह अद्भुत और समर्पण का परिणाम है।

इस प्रतियोगिता में 98 प्रतिभागियों ने पदक प्राप्त किए हैं। 52 प्रतिभागियों को स्वर्ण, 38 रजत तथा आठ प्रतिभागियों को कांस्य पदक प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता में नमन पुत्र नरेंद्र कुमार गांव सलीमपुर ने राज्य स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त किया और प्रतियोगिता में जिन प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए बाल श्रेष्ठ सम्मान तथा अंग्रेजी प्रतिभा सम्मान प्राप्त किए हैं।

इस प्रतियोगिता के लिए सभी प्रतिभागी और उनको प्रेरित करने वाले उनके शिक्षक और अभिभावक प्रशंसा के पात्र हैं। सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को स्कूल के प्राचार्य अनूप कुमार की तरफ से बहुत-बहुत बधाई दी। इस मौके पर निदेशक राकेश यादव ने बताया कि खेलों से शारीरिक व मानसिक विकास होता है। स्कूल में खेल गतिविधियों का आयोजन करने का यही उद्देश्य है कि विद्यार्थियों के जीवन में अनुशासन के साथ मिलकर काम करने व लक्ष्य के प्रति एकाग्रता से आगे बढ़ने की भावना विकसित हो। खेलों में केवल जीतने वाला ही विजेता नहीं होता, बल्कि खेलों में भाग लेने वाला हर खिलाड़ी विजेता होता है।

जूनियर घुड़सवारी प्रतियोगिता में यदुवंशी ने जीता स्वर्ण पदक

महेंद्रगढ़। हाल ही में जयपुर में आयोजित 40 किलोमीटर की जूनियर घुड़सवारी प्रतियोगिता में यदुवंशी स्कूल के होनहार छात्र सूर्या स्वामी पुत्र राकेश शास्त्री स्वामी ने शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था, जिससे मुकाबला बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। सूर्या ने अपनी मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के बल पर सभी प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि से विद्यालय के साथ-साथ पूरा क्षेत्र भी गौरवान्वित हुआ है। प्रतियोगिता में अलग-अलग राज्यों से आए प्रतिभागियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन सूर्या ने अपने उत्कृष्ट कौशल और संतुलन का परिचय देते हुए निर्णायकों का दिल जीत लिया। चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि केवल एक पदक नहीं, बल्कि कठोर परिश्रम, लगन और आत्मविश्वास का परिणाम है। यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो सफलता अवश्य मिलती है। साथ ही सूर्या, उसके माता-पिता व प्रशिक्षकों को बधाई दी। वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव ने भी सूर्या को बधाई दी व उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

टैगोर का ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने साइंस, इंग्लिश एवं जनरल नॉलेज ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इंटरनेशनल इंग्लिश ओलंपियाड में कक्षा पांचवीं के हार्दिक, नव्या, कार्तिक, छवि, वंशिका, सान्वी, विहान, यशमी एवं सुल्तान ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त कक्षा छठी -बी के वंश व निष्ठा, कक्षा सातवीं की वंशिका, हिमांशी व ध्रुव, कक्षा आठवीं के मन्नू, खुशी व नैन्सी, कक्षा नौवीं के अक्षित तथा कक्षा 12वीं के मानविक को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र एवं एसपीआर रिपोर्ट प्रदान की गई। इंटरनेशनल जनरल नॉलेज ओलंपियाड में कक्षा सातवीं के शुभम तथा कक्षा आठवीं की विधि एवं सूरज को भी प्रतिभागिता प्रमाण पत्र एवं एसपीआर रिपोर्ट देकर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में इंटरनेशनल साइंस ओलंपियाड में कक्षा पहली से लेकर कक्षा 12वीं तक के अनेक विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय चेयरपर्सन सविता ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिता विद्यार्थियों के ज्ञान, आत्मविश्वास एवं प्रतिभा को निखारने का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं और विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम करते हुए अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते रहना चाहिए। निदेशक राहुल यादव ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण का परिणाम है।

आरपीएस के विद्यार्थियों ने लहराया परचम

- छात्रा खुशी ने 98 .6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर आईजीयू में बनाया कीर्तिमान

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर द्वारा हाल ही में घोषित बीएससी ऑनर्स गणित के पांचवें सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में आरपीएस शिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। संस्थान के होनहार विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान सहित कुल पांच मेरिट स्थान पर अपना कब्जा जमाकर संस्थान और अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है। खुशी ने 500 में से 493 अंक 98.6 प्रतिशत प्राप्त कर पूरे विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस शानदार स्कोर के साथ ही उन्होंने इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के इतिहास में एक नया शैक्षणिक रिकॉर्ड स्थापित कर दिया है। ज्योति पुत्री नरेश कुमार 468, तमन्ना पुत्री पवन कुमार 466, रितु पुत्री राकेश सिंह 466, निक्की यादव पुत्री रविन कुमार 461 अंक प्राप्त किए।

महेंद्रगढ़। खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। फोटोः हरिभूमि

सही मार्गदर्शन से हासिल कर सकता है मुकाम

आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव और सीईओ मनीष राव ने कहा कि हमारे विद्यार्थियों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि कड़ी मेहनत, अनुशासन और सही मार्गदर्शन से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। कुलसचिव डॉ. देवेंद्र यादव, निदेशक डॉ. महेश यादव, प्राचार्य डॉ. देवेन्द्र सिंह कादियान, अधिष्ठाता डॉ. हेमंत कुमार और पीजी हेड वायपी सिंह ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

दौंगड़ा अहीर में उमड़ा आस्था का सैलाब

- जागरण, हवन-यज्ञ एवं कलश यात्रा के बाद विशाल भंडारा आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

दौंगड़ा अहीर गांव एकबार फिर धार्मिक उत्साह और आस्था के रंग में रंगा नजर आया। बाबा रूपादास जी मंदिर में आयोजित भव्य धार्मिक कार्यक्रम के तहत रातभर चले जागरण, सुबह के हवन-यज्ञ और कलश यात्रा के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें पूरे गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

वर्षों से गांव की माताएं-बहनें श्रद्धा भाव से जो मंगलगीत गाती आई। कार्यक्रम की शुरुआत भव्य जागरण से हुई, जहां भजन मंडली ने देर रात तक भक्तिमय प्रस्तुतियां दीं। मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा और पूरा वातावरण 'जय बाबा रूपादास' के जयकारों से गूंजता रहा। महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं ने भक्ति रस में डूबकर बाबा का गुणगान किया। सुबह हवन-यज्ञ और निकली भव्य कलश यात्रा अगली सुबह वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-यज्ञ संपन्न हुआ। ग्रामीणों ने आहुति देकर गांव की खुशहाली, शांति और समृद्धि की कामना की। इसके बाद सैकड़ों महिलाओं की भागीदारी के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई।

पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाएं सिर पर सजे कलश लेकर भजन गाती हुई पूरे गांव में भ्रमण करती रहीं। गांव की गलियां श्रद्धा और उल्लास से सरोवर हो उठीं। विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया। दौंगड़ा अहीर में आयोजित यह धार्मिक समारोह न केवल आस्था का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव का भी संदेश दे गया।

मंडी अटेली। दौंगड़ा अहीर कलश लेकर परिक्रमा करती महिलाएं। फोटोः हरिभूमि

खाटूधाम जाने वाले पद यात्री सेवा शिविरों में ले रहे शरण

कनीना। राजस्थान के सीकर जिले की खाटूनगरी में आगामी 21 फरवरी से शुरू हो चुके लक्खी मेले में जाने वाले श्याम ध्वज पद यात्रियों के लिए कनीना सहित विभिन्न गांवों में सेवा शिविरों का संचालन किया गया है। जिसमें श्रद्धालु आश्रय ले रहे हैं। खंड के गांव छितरौली में आयोजित किए गए सेवा शिविर में जगदीश सिंह, धर्मपाल सिंह, नरेंद्र शास्त्री, सुरेंद्र धनखड़, सुनील कुमार, बिजेंद्र सिंह, रोहताश, गजराज व सुभाष चंद ने बताया कि इन शिविरों में निशान पैदल यात्रियों के लिए भोजन, नाश्ता, स्नान करने के लिए गर्म पानी, रात्रि विश्राम व चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने बताया कि कनीना से लेकर मोहनपुर, नांगल, रसूलपुर, कोका, सुंदरह, बेवल, मुंडियाखेड़ा, झिगावन, दौंगड़ा अहीर, अटाली, सिहमा, खासपुर, खामपुर, नारनौल, जौरासी सहित विभिन्न गांवों में सेवा शिविरों का आयोजन होता है। श्याम मंदिर कमेटी खाटू से श्याम सिंह चौहान ने बताया कि श्रीश्याम जी का फाल्गुन मेला 28 फरवरी तक चलेगा।

खटोटी खुर्द विद्यालय में चलाया स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

राजकीय महाविद्यालय कृष्ण के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन सोमवार को राजकीय माध्यमिक विद्यालय खटोटी खुर्द में स्वच्छता अभियान चलाकर विद्यालय परिसर में पेड़ पौधों की कटाई छंटाई की गई। वॉलीबॉल प्रतियोगिता व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें स्वयंसेवकों व स्वयंसेविकाओ ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। राजकीय महाविद्यालय कृष्ण नगर से एसोसिएट प्रो. डॉ. चंद्रपाल यादव ने स्वयंसेवकों व स्वयंसेविकाओ को करियर के विभिन्न अवसरों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने करियर के लिए आवश्यक विभिन्न सोपानों के बारे में बताया कि सर्वप्रथम स्व मूल्यांकन के तहत अपनी शक्तियों और रुचियों को समझना, उसके बाद विभिन्न प्रकार के करियर विकल्पों का अन्वेषण करना तथा अंत में अल्पकालिक व दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित कर अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कठिन मेहनत करनी चाहिए।

नारनौल। कार्यक्रम में संबोधित करते प्रोफेसर डॉ. चंद्रपाल यादव।

राजकीय महाविद्यालय में हुई विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

वैज्ञानिक सोच व व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देना उद्देश्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

राजकीय महाविद्यालय में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के संवर्धन तथा विज्ञान विषय में दक्षता एवं ज्ञानवृद्धि के उद्देश्य से महाविद्यालय स्तर की विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर विजय यादव एवं विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर जितेंद्र कुमार वशिष्ठ द्वारा किया गया। प्राचार्य प्रोफेसर विजय यादव ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में समग्र विकास के साथ-साथ वैज्ञानिक सोच, नवाचार क्षमता तथा व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देना है।

उन्होंने कहा कि विज्ञान प्रश्नोत्तरी जैसी गतिविधियां विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना, तार्किक चिंतन एवं विषय के प्रति रुचि विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में आयोजित होने वाली अंतर-महाविद्यालय विज्ञान प्रतियोगिता के लिए शुभकामना देते हुए कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजन विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट मंच प्रदान करते हैं तथा महाविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को भी सुदृढ़ करते हैं। प्रोफेसर जितेंद्र कुमार वशिष्ठ ने बताया कि इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने विशेष रूप से भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान तथा अन्य विज्ञान विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्रश्नोत्तरी में जंतु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान से संबंधित प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता के अंतर्गत विषयवार तीन तीन विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिसमें कुल 15 विद्यार्थियों का चयन भविष्य में आयोजित होने वाली अंतर-महाविद्यालय विज्ञान प्रतियोगिता के लिए किया गया। जिला स्तर की अंतर-महाविद्यालय विज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन 26 फरवरी को राजकीय महाविद्यालय में आयोजित किया जाना सुनिश्चित किया गया है। इस प्रतियोगिता में जिले के लगभग 14 महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के भाग लेने की संभावना है। प्रत्येक टीम में चार विद्यार्थी शामिल होंगे। अंतर-जिला अंतर-महाविद्यालय विज्ञान प्रतियोगिता की विजेता टीम को आर्यभट्ट रनिंग ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा। साथ ही विजेता महाविद्यालय आगामी वर्ष इस ट्रॉफी के अंतर्गत अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता आयोजित करने का अवसर प्राप्त करेगा। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. विकास गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रो. अलका, प्रो. अंशु यादव, डॉ. विकास गुप्ता, डॉ. अश्वनी, डॉ. मंजू कुमारी, डॉ. अनुप कुमारी, डॉ. अंजू कुमारी, डॉ. अशोक कुमार, दीपक कुमार, प्रद्युमन सिंह तथा डॉ. अरुण भारत सहित महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए। फोटोः हरिभूमि

सैनी सभा के पूर्व प्रधान गोविंदराम सैनी को पितृशोक

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

सैनी सभा के पूर्व प्रधान गोविंदराम सैनी के पिता ताराचंद सैनी आढ़ती का आक्समिक निधन हो गया है। वे बहुत ही मिलनसार, हंसमुख स्वभाव के समाजसेवी होने के साथ-साथ सब्जी मंडी के सुप्रसिद्ध आढ़ती भी थे। उनकी अंतिम यात्रा प्राचीन स्वर्णकार शिव मंदिर के निकट सैनीपुरा स्थित उनके पैतृक निवास स्थान से चलकर धौलपोश आश्रम हरिधाम पहुंची। उनके ज्येष्ठ पुत्र गोविंदराम सैनी ने उन्हें मुखाग्नि दी, जबकि अन्य पुत्रों दयानंद सैनी व वेदप्रकाश उर्फ भोलू ने भी इस कार्य में पूर्णतः सहयोग किया। मौके पर नगर पालिका प्रधान रमेश सैनी, सैनी समाज के प्रधान सुरेश सैनी, आदर्श रामलीला कमेटी के प्रधान सुरेंद्र बंटी, नगर पार्षद अशोक सैनी, मार्केट कमेटी चेयरमैन कृष्ण सैनी, मुगदम, सुंदरलाल सैनी, हलवाई यूनियन प्रधान लक्ष्मी नारायण आदि अंतिम यात्रा में शामिल हुए।

NOTICE

I, Manish S/o Sh. Raj Kumar R/o Village Jhagroli Tehsil & Distt. Mahendergarh (HR) declare that In my education certificate my name is mentioned as Manish but, in my aadhar card & pan card and other documents my name is mentioned as Manish Sharma. Now I have changed my name as Manish Sharma. I may be known as Manish Sharma for all future purposes.

पंजाब एंड सिंध बैंक
भारत सरकार का उपक्रम
शाखा : बिल्डिंग नं. 87 कैलाश नगर, रेवाडी रोड, नारनौल फोन : 01282–254533

सार्वजनिक सूचना – पंजाब एंड सिंध बैंक नारनौल की तरफ से
जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि हाउसिंह बोर्ड कॉलोनी, फेज–1, नसीबपुर, नारनौल, जिला महेंद्रगढ़ (हरियाणा) में स्थित दुकान स्थल संख्या 20, जिसका संपत्ति आईडी नंबर 3NP9T4L6 है और जो वर्तमान में नारनौल के नगर पालिका अभिलेखों में अभय सिंह पुत्र रोहताश सिंह के नाम पर दर्ज है, के स्वामित्व की श्रृंखला में निम्नलिखित तीन दस्तावेज खो गए हैं:
1. बिक्री विलेख संख्या 2075 दिनांक 14–09–2006, अनिल कुमार के नाम पर पंजीकृत और नारनौल के उप–पंजीयक कार्यालय में विधिवत पंजीकृत। 2. अनिल कुमार के नाम पर आवंटन पत्र। 3. नरेश कुमार के नाम पर पुनः आवंटन पत्र। उपरोक्त मूल दस्तावेज अभय सिंह द्वारा खो गए हैं। अब, पंजाब एंड सिंध बैंक, नारनौल (N1521), शाखा उपर्युक्त संपत्ति के बदले वित्तपोषण की प्रक्रिया शुरू कर रहा है। उक्त दस्तावेजों के गुम होने के संबंध में एक डीडीआर दैनिक डायरी रिपोर्ट ६ गैर एफआईआर रिपोर्ट पहले ही दर्ज कराई जा चुकीहै। जिसका डीडीआर क्रमांक 132330082600289 है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था, वित्तीय संस्था, गैर–वित्तीय संस्था, विभाग या किसी अन्य इच्छुक पक्ष को उपरोक्त भूखंड के प्रस्तावित लेनदेन / वित्तपोषण के संबंध में कोई आपत्ति है, तो उन्हे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर पंजाब एंड सिंध बैंक, नारनौल के पास लिखित में अपनी आपत्ति दर्ज कराने का अनुरोध किया जाता है। इस प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों की समाप्ति के बाद, किसी भी प्रकार का दावा, आपत्ति या अभ्यावेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।
नोटः यह सूचना जनता को सूचित करने और संभावित आपत्तियों को आमंत्रित करने के लिए जारी की गई है, जैसा कि मूल अंग्रेजी भाग में भी वर्णित है।

खबर संक्षेप

बाबा गोविंददास मंदिर में वार्षिकोत्सव 4 मार्च को

नारनौल। गांव हमीदपुर के बाबा गोविंददास मंदिर में चार मार्च को वार्षिकोत्सव कार्यक्रम आयोजित होगा। जिसमें सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ ठाकूर महाराज की शोभायात्रा निकाली जाएगी। पुजारी विद्याधर कौशिक ने बताया कि धुलंडी पर वार्षिकोत्सव की परंपरा बनी हुई है। भगवान श्रीकृष्ण की जीवनी पर आधारित झांकियां निकालने के साथ भजनोपदेश किए जाते हैं। गायक कलाकारों द्वारा भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठता पर प्रस्तुति देते हैं। कार्यक्रम में अनुशासन बनाए रखने के लिए कमेटी ने 200 वालियंटर नियुक्त किए हैं।

नपा बैठक में पार्षदों ने विकास कार्यों की धीमी रफ्तार पर जताया आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नगर पालिका पार्षदों की बैठक चैयरपर्सन प्रिया सैनी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें पेंडिग विकास कार्यों को तत्परता से पूरे करने की रूपरेखा बनाई। साथ ही निजामपुर रोड़ पर स्कूल ग्राउंड की जमीन खरीदकर नपा कार्यालय निर्माण करने का प्रस्ताव पारित किया। शहर के कोटपूतली नारनौल सड़क के दोनों तरफ नाले व इंटरलॉक टाइले बिछाने की स्वीकृति मांगी गई है। बैठक में नपा पार्षदों ने विकास कार्यों की धीमी रफ्तार पर आक्रोश जताया है, कहा कि बजट बैठक से पहले पेंडिंग विकास कार्यों के टेंडर नहीं छोड़े, तो बैठक का सामूहिक रूप से बहिष्कार किया जाएगा।

आपको बता दें कि सरकार के निर्देशानुसार विकास कार्यों रूपरेखा के लिए पार्षदों की बैठक बुलाना अनिवार्य है। इसके बाद गठित कमेटी में वर्क ऑडरों की स्वीकृति लेनी होगी, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। इसी प्रक्रिया के अंतर्गत नपा सचिव ने चेयरपर्सन की स्वीकृति से हाउस की बैठक बुलाई। जिसका कोरम पूरा होने पर कार्रवाई आरंभ की गई, लेकिन एजेंडा पढ़ते ही वार्ड आठ की पार्षद आक्रोशित हो गई, उन्होंने तर्क दिया कि करीब चार साल पहले हाउस की बैठक में विकास कार्यों के प्रस्ताव पारित कराए गए थे, लेकिन अभी तक एक भी काम शुरू नहीं हुआ, इतना ही नहीं विभागीय अधिकारी संतोषजनक जबाब तक नहीं देते। वार्ड सात के पार्षद ने अधिकारियों पर नेतागिरी करने के आरोप लगाए, जिसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है। पार्षदों और अधिकारियों के बीच तल्खी बढ़ने पर वाइस चेयरमैन मुकेश शर्मा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने बचाव करते हुए कहा कि जिन वार्डों में विकास कार्य कम हुए हैं, अब उन्हें बजट आवंटन करने में प्राथमिकता मिलनी चाहिए। सहमति बनने पर पार्षदों ने पहले पेंडिंग प्रस्तावों के टेंडर छोड़ने का अल्टीमेटम दिया, कहा कि बजट बैठक से पहले काम शुरू नहीं हुए तो सभी पार्षद सामूहिक रूप से हाउस में अनुपस्थित रहेंगे। इसके बाद शहर के कोटपूतली व नारनौल रोड़ पर इंटरलॉक टाइलें बिछाने तथा दोनों तरफ नालों के निर्माण पर सहमति बनी।

नांगल चौधरी। नपा बैठक में विकास कार्यों में लेटलतीफी पर विचार विमर्श करते पार्षद।

पेंडिंग प्रस्तावों के विकास कार्यों के जल्द छोड़ेंगे टेंडर

नपा के सचिव ललित गोयल ने बताया कि अधिकांश प्रस्ताव के काम पूरे हो चुके हैं तथा कुछ काम प्रक्रिया में हैं। पेंडिंग प्रस्तावों के टेंडर भी जल्द ही छोड़ेंगे। इसके लिए पार्षदों से जानकारी मांगी जाएगी। उन्होंने बताया कि शहर के विकास कार्यों में पूरी पारदर्शिता तथा तत्परता बरती जा रही है। सड़कों के दोनों तरफ नाले, इंटरलॉक टाइलें बिछाने का प्रपोजल तैयार किया है। स्कूल के ग्राउंड की जमीन खरीदने का प्रस्ताव पारित किया है। जिस पर कार्यालय का निर्माण हो सकेगा।

विकास कार्यों में लापरवाही बरतने से सुविधाओं से वंचित हैं शहरवासी

पेयजल व्यवस्था चरमराई हुई है। पानी निकासी के पर्याप्त प्रबंध नहीं, जिनके लिए हर बैठक में प्रस्ताव पारित किए जाते हैं, लेकिन अधिकांश प्रस्तावों पर विचार तक नहीं होता। जिसका खामियाजा शहरवासियों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि विकास कार्यों में समानता नहीं होने से पार्षदों में असंतोष बना हुआ है। अधिकारियों को व्यवस्था में सुधार करने की चेतावनी दी गई है।

हरियाणा विधानसभा में गूंजा ग्रुप डी कर्मचारियों के प्रमोशन का मुद्दा

युवाओं में बढ़ी उम्मीद : सीईटी ग्रुप डी आवेदन पोर्टल जल्द खुलेगा

- ग्रुप सी सीईटी पास युवाओं को 9000 रुपये मासिक सहायता देने की पूर्व घोषणा को लेकर भी उठ रहे सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा में सीईटी ग्रुप-डी भर्ती को लेकर लंबे समय से इंतजार कर रहे लाखों युवाओं के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। आयोग को भर्ती प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक संशोधन नोटिफिकेशन प्राप्त हो चुका है और अब बहुत जल्द आवेदन पोर्टल खोले जाने की तैयारी अंतिम चरण में है। पिछले कई दिनों से अभ्यर्थी सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों से परीक्षा तिथि व आवेदन प्रक्रिया को लेकर स्पष्ट सूचना की मांग कर रहे थे। ताजा अपडेट के बाद युवाओं में नया उत्साह देखने को मिल रहा है और वे आवेदन प्रक्रिया शुरू होने की आधिकारिक घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रहे है। सूत्रों के अनुसार आयोग ने प्रशासनिक स्तर पर अधिकांश तैयारियां पूरी कर ली है। जैसे ही पोर्टल खोलने की औपचारिक घोषणा होगी, अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। संभावना जताई जा रही है कि आवेदन की समय-सीमा सीमित रखी जाएगी। इसलिए युवाओं को पहले से ही अपने दस्तावेज तैयार रखने की सलाह दी गई है। आयोग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी और निर्धारित समय के भीतर ही फॉर्म स्वीकार किए जाएंगे। समग्र रूप से देखा जाए तो सीईटी ग्रुप डी आवेदन पोर्टल खुलने की खबर ने प्रदेश के लाखों युवाओं में नई ऊर्जा का संचार किया है। अब सभी की निगाहें आयोग की आधिकारिक घोषणा और आवेदन की तिथि पर टिकी है। यदि निर्धारित समय में पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ती है तो यह युवाओं के विश्वास को मजबूत करने के साथ साथ प्रदेश में रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगी।

Himmat Singh
2m ·

विगत काफी दिनों से अभ्यर्थियों द्वारा सीईटी ग्रुप D परीक्षा को लेकर लगातार अनुरोध प्राप्त हो रहे थे। उन सभी अभ्यर्थियों को यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि सीईटी ग्रुप D के आवेदन का आपका इंतज़ार अब जल्द ही समाप्त होने जा रहा है।
आयोग सीईटी ग्रुप D का आवेदन पोर्टल खोलने हेतु अमेंडमेंट नोटिफिकेशन की प्रतीक्षा कर रहा था, जो कि अब आयोग को प्राप्त हो चुकी है। बहुत जल्द ही सीईटी ग्रुप D के लिए आवेदन पोर्टल खोल दिया जाएगा।

नारनौल। सोशल मीडिया पर किया पोस्ट। फोटो: हरिभूमि

चुनाव के समय की गई घोषणा का अभ्यर्थियों को इंतजार

वहीं ग्रुप सी सीईटी पास युवाओं को 9000 रुपये मासिक सहायता देने की पूर्व घोषणा को लेकर भी सवाल उठ रहे है। चुनाव के दौरान यह घोषणा की गई थी कि जिन युवाओं को एक वर्ष तक नौकरी नहीं मिलेगी उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। अब युवा बजट सत्र में इस योजना के लिए प्रावधान किए जाने की उम्मीद जता रहे है। उनका कहना है कि यदि यह योजना लागू होती है तो बेरोजगार युवाओं को आर्थिक संबल मिलेगा और वे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी बेहतर ढंग से कर सकेंगे।

अभ्यर्थी स्वयं भरें आवेदन फार्म

विभाग ने अभ्यर्थियों से कहा है कि वे आवेदन फॉर्म स्वयं भरें और किसी एजेंट या साइबर कैफे संचालक पर पूर्ण रूप से निर्भर न रहें। कई बार छोटी-सी त्रुटि भी भविष्य में बड़ी परेशानी का कारण बन जाती है। नाम, पिता का नाम, जन्मतिथि, श्रेणी, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव तथा अन्य विवरण सावधानीपूर्वक दर्ज करना आवश्यक है। आवेदन सबमिट करने के बाद उसका प्रिंट आउट लेकर सभी जानकारियों का मिलान करना भी जरूरी बताया गया है ताकि यदि कोई गलती रह जाए तो समय रहते सुधार किया जा सके।

अभ्यर्थियों को ग्रुप सी की मेरिट सूची का इंतजार

इधर, सीईटी 2025 के परिणाम को लेकर भी प्रदेशभर में चर्चा जारी है। आयोग ने परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है लेकिन विस्तृत मेरिट सूची सार्वजनिक न होने से अभ्यर्थियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार लगभग 13.47 लाख उम्मीदवारों ने परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था। जिनमें से करीब 92 प्रतिशत अभ्यर्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई। लगभग आठ लाख से अधिक उम्मीदवारों को उत्तीर्ण घोषित किया गया है। हालांकि पूर्व की तरह डिटेल्ड परिणाम जारी न होने के कारण युवाओं को यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा कि वे मेरिट में किस स्थान पर खड़े है।

बुचावास सब डिवीजन में उत्कृष्ट कार्य के लिए अधिकारी सम्मानित

अधिकारियों ने डेटा अपडेट की जिम्मेदारी को निभाया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ महेंद्रगढ़

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ बुचावास की ओर से बुचावास सब डिवीजन के में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान एसडीओ अरुण कुमार, डीईओ गोपाल एवं डीईओ अंकित को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में बताया गया कि दोनों अधिकारियों ने दिन-रात मेहनत कर सभी साथियों का डेटा पोर्टल पर सफलतापूर्वक अपडेट किया। उनके समर्पण और परिश्रम से निर्धारित समय में डेटा अपडेट का कार्य पूर्ण हो सका, जिससे कर्मचारियों को काफी राहत मिली। प्रधान ओमबीर यादव ने दोनों साथियों को सहृदय धन्यवाद देते हुए सभी कर्मचारियों को बधाई दी। वहीं बुचावास सचिव कर्ण सिंह ने कहा कि दोनों साथियों ने निःस्वार्थ भाव से कार्य करते हुए समय पर सभी का डेटा अपडेट कर संगठन की जिम्मेदारी को निभाया।

महेंद्रगढ़। अधिकारियों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

ये रहे उपस्थित

सभा में बुचावास सब डिवीजन के उप प्रधान गोपाल व सुदेश, सहसचिव मुकेश कुमार, संगठनकर्ता अशोक पूनिया, प्रेस सचिव नरेश कोका, पवन बचीनी, कोषाध्यक्ष अंकित, सह-कोषाध्यक्ष बिरसिंह, सलाहकार बृजलाल तथा कार्यकारिणी सदस्य उपेंद्र, हिमांशु, नवीन (एलडीसी), डॉ. राजकुमार, प्रदीप राणा, सुधीर, धर्मवीर खटाना, मुकेश, प्रदीप, नवीन सहित बुचावास के सभी साथी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में संगठन ने सभी कर्मचारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए एकजुटता और सहयोग की भावना बनाए रखने का संकल्प लिया।

समाधान शिविर में उपायुक्त ने सुनी शिकायतें

नारनौल। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में सोमवार को उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने अधिकारियों को कहा कि नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसमें किसी भी स्तर पर कोताही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस समाधान शिविर में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखी। कुल 52 शिकायतों को पंजीकृत किया गया, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निपटारा करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर कुछ समस्याओं को लेकर उपायुक्त ने संबंधित विभागों को समय सीमा निर्धारित कर रिपोर्ट पेश करने को कहा। डीसी ने कहा कि समाधान शिविर केवल फाइलों के निपटारे का माध्यम नहीं है, बल्कि यह प्रशासन व आम जनता के बीच एक मजबूत कड़ी का काम कर रहा है। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि सरकार की मंशा हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। यदि कोई अधिकारी जनता को बेवजह परेशान करता है, तो उसकी जवाबदेही तय की जाएगी। शिविर में पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ व नगराधीश डॉ. मंगल सेन सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

बैठक में 25 फरवरी के मजदूर संघ के प्रदर्शन की जिम्मेवारियां सौंपी

सुभाष पार्क में इकट्ठा होकर उपायुक्त को सौंपा जाएगा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

भारतीय मजदूर संघ जिला महेंद्रगढ़ की कार्यसमिति की बैठक का आयोजन जिला नागरिक अस्पताल में किया गया। मीटिंग की अध्यक्षता जिला के अध्यक्ष आशीष गोरा ने की। मीटिंग का संचालन जिला मंत्री हरकेश ने किया। मीटिंग में विशेष रूप से राज्य के प्रदेश मंत्री एवं विभाग प्रमुख भिवानी हवासिंह तंवर उपस्थित रहे। बैठक में 25 फरवरी को होने वाले विरोध प्रदर्शन के व्यापक तैयारी के लिए बैठक की गई। उन्होंने बताया कि 25 को प्रातः 10 बजे सुभाष पार्क में इकट्ठे होकर जुलूस के रूप में उपायुक्त कार्यालय में ज्ञापन दिया जाएगा। जिला का समिति के सभी सदस्यों के साथ-साथ प्रदेश में अन्य संगठनों के जिला अध्यक्षों जिला मंत्रियों को भी जिम्मेदारी सौंप दी गई। जिला मंत्री हरकेश ने बताया प्रदर्शन से पूर्व सूचना पत्र उपायुक्त नारनौल एवं पुलिस अधीक्षक नारनौल को ई-मेल के माध्यम से भेज दी गई है। प्रदेश स्तर पर भी सभी विभागों का मांग पत्र मुख्यमंत्री को भेजा जाएगा।

नारनौल। मीटिंग में भाग लेते मजदूर संघ के पदाधिकारी।

ये पदाधिकारी रहे उपस्थित

मीटिंग में जिला उपाध्यक्ष मन्नी देवी, कोषाध्यक्ष भूपेश पालीवाल, एनएचएम से डॉ. पुष्पेन्द्र व विनोद राव, पब्लिक हेल्थ से दीपक यादव, महेंद्र सिंह, अमन, भवन निर्माण से विक्रम, दीपक जोशी, विद्युत विभाग से कर्मवीर जाखड़ व रामावतार, अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ से विक्रम सिंह आदि जिला पदाधिकारी बैठक में शामिल हुए।

उद्योग की तकनीकों से रूबरू हुए बीटेक विद्यार्थी

हकेंवि के विद्यार्थियों ने किया प्रिंटपैक का शैक्षिक भ्रमण

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग ने बीटेक प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के विद्यार्थियों के लिए जयपुर एग्जीबिशन सेंटर, जयपुर राजस्थान में आयोजित प्रिंटपैक राजस्थान-2026 का शैक्षिक भ्रमण किया। यह शैक्षिक भ्रमण विभाग और ऑफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन (ओपीए) के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अंतर्गत ओपीए द्वारा प्रायोजित किया गया। इस शैक्षिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग उद्योग में नवीनतम तकनीकों, अत्याधुनिक मशीनरी, सतत (सस्टेनेबल) समाधान तथा उभरते औद्योगिक रुझानों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। एक्सपो में अग्रणी कंपनियों ने ऑफसेट, डिजिटल एवं फ्लेक्सोग्राफिक प्रिंटिंग, स्मार्ट पैकेजिंग, लेबलिंग तकनीक तथा पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग सामग्री में नवीन प्रगति का प्रदर्शन किया। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने उन्नत प्रिंटिंग प्रेस एवं पैकेजिंग उपकरणों के लाइव डेमोंस्ट्रेशन का अवलोकन किया तथा ऑटोमेशन, स्मार्ट टेक्नोलॉजी और सतत प्रिंटिंग सामग्रियों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने विभाग एवं विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के औद्योगिक एक्सपो में सहभागिता विद्यार्थियों को अनुभवात्मक अधिगम के उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती है और उनके व्यावसायिक दृष्टिकोण को व्यापक बनाती है।

फाल्गुन में गूंजा श्याम नाम, पैदल यात्रियों की सेवा में जुटे श्रद्धालु

शिविर में भोजन, जलपान,विश्राम व प्राथमिक चिकित्सा की मिलेगी सुविधा

- "हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा" के क्षेत्र में गूंजे जयकारे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

फाल्गुन माह में बाबा श्याम के जयकारों से क्षेत्र भक्तिमय हो उठा है। मिर्जापुर बाछोद अंडरपास के पास श्यामपुरा व आसपास के गांवों के श्रद्धालुओं द्वारा खाटू श्याम के नाम पर सेवा शिविर लगाया गया है। इस शिविर में खाटू धाम की ओर पैदल जा रहे यात्रियों के लिए भोजन, जलपान, विश्राम तथा प्राथमिक चिकित्सा की विशेष व्यवस्था की गई है। अटेली मार्केट कमेटी के चेयरमैन दिनेश जैलदार ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्याम भक्तों की सेवा के लिए यह शिविर लगाया गया है। यात्रियों के रात्रि विश्राम की व्यवस्था भी की गई है, ताकि उन्हें मार्ग में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सेवा कार्य बाबा श्याम की असीम कृपा से ही संभव हो पाते हैं। फाल्गुन के पावन अवसर पर पूरा क्षेत्र श्याममय नजर आ रहा है और "हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा" के जयकारे गूंज रहे हैं। इस अवसर पर पंकज गौड़ कुंजपुरा, कृष्ण श्यामपुरा, हरेंद्र राव, विजय, संदीप, गोलू, हितेश आदि उपस्थित रहे।

मंडी अटेली। श्यामपुरा में पैदल चलने वाले श्रद्धालुओं को जलपान कराते हुए।

नए अपराधिक कानून लागू होने के बाद महेंद्रगढ़ जिले का पहला मामला

करोड़ों की धोखाधड़ी में पुलिस ने की पिता पुत्र की 2.5 करोड़ की संपत्ति अटैच

एसडीजेएम ने धारा 107(1) के तहत उक्त संपत्ति को अटैच करने के आदेश जारी किए

- धोखाधड़ी व अवैध तरीकों से अर्जित की थी लोगों की कमाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के नेतृत्व में पुलिस ने जालसाजों व आर्थिक अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कई भोले भाले लोगों को अपना शिकार बनाकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले आरोपितों पर शिकंजा कसते हुए पुलिस ने उनकी लगभग 2.5 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच करा दी है। यह संपत्ति आरोपितों ने धोखाधड़ी और अवैध तरीकों से आम जनता की गाढ़ी कमाई लूटकर अर्जित की गई थी। जिले में नए आपराधिक कानूनों के लागू होने के बाद संपत्ति अटैच की यह पहली और बेहद प्रभावशाली कार्रवाई है। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि झज्जर के गांव सेहलंगा वासी पिता मीरसिंह व बेटा आशुतोष हाल आबाद कुराहवटा रोड महेंद्रगढ़ की संपत्ति को अटैच किया है। इनकी यह संपत्ति राजस्थान, महेंद्रगढ़ व सेहलंगा में है। इस पूरी प्रक्रिया को नए कानूनों के सशक्त प्रावधानों के तहत प्रभावशाली ढंग से अंजाम दिया गया है। पुलिस ने मामले की गहनता से जांच करते हुए यह सुनिश्चित किया कि अपराध से अर्जित संपत्तियों को कानून के दायरे में लाया जाए। पुलिस ने न्यायालय के समक्ष पुख्ता साक्ष्य और रिपोर्ट प्रस्तुत की। जिसके आधार पर एसडीजेएम महेंद्रगढ़ ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 107(1) के तहत उक्त संपत्ति को अटैच करने के विधिवत आदेश जारी किए गए। नए कानूनों के तहत पुलिस को यह अधिकार प्राप्त है कि वह आर्थिक अपराधों में संलिप्त लोगों की संपत्तियों पर सीधा और त्वरित प्रहार कर सके। जिसका सफल क्रियान्वयन इस मामले में देखा गया है।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो: हरिभूमि

अपराध से अर्जित संपत्ति को नहीं जाएगा बख्शा

पुलिस ने इस कार्रवाई से स्पष्ट संदेश दिया है कि अपराध के जरिए अर्जित की गई किसी भी प्रकार की संपत्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस का यह कदम ठगी और धोखाधड़ी करने वालों के लिए एक सख्त चेतावनी है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि जिले में अपराध और अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है तथा आगे भी अपराधियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

यदुवंशी ग्रुप ऑफ एजुकेशन में कला उत्सव का आगाज़

- सांस्कृतिक गतिविधियां व्यक्तित्व विकास का सुलभ साधन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

यदुवंशी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के सभागार में विरासत कला उत्सव का आगाज सोमवार को धूमधाम से किया गया। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज के सौजन्य से आयोजित सात दिवसीय उत्सव का शुभारंभ ग्रुप के चेयरमैन व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने किया। राव बहादुर सिंह ने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियां हमकों संस्कारवान बनाने के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास का भी सुलभ साधन है। उन्होंने कहा कि इस तरह का आयोजन देश और समाज को एकता और अखंडता के समावेश में पिरोए रखता है। इस कला उत्सव के उद्घाटन के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल विजेता पं. निशांत व प्रशांत मलिक बद्रर्स द्वारा भारतीय शास्त्रीय गायन पर आधारित दुरपद गायन शैली से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर यदुवंशी ग्रुप के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत की बेहतरीन प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के समन्वयक अनिल कौशिक ने बताया कि उत्तर मध्य सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार देश में विलुप्त हो रही लोककला विरासत को जीवित रखने के लिए इस कला उत्सव का आयोजन में किया जा रहा है। जिसमें देश के पद्मश्री व अन्य राष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता कलाकार विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं में अपनी-अपनी सांस्कृतिक देंगे। मंच संचालन डॉ. धर्मेश कौशिक ने किया।

महेंद्रगढ़। विरासत कला उत्सव का शुभारंभ करते मुख्यातिथि।